*Enhanced Edition
NEP 2020 Guidelines

ज्ञान सरोवर हिंदी व्याकरण

अध्यापक सहायक-पुस्तिका

3

YELLOW BIRD PUBLICATIONS PVT. LTD.
EDUCATIONAL PUBLISHER

ज्ञान सरोवर हिंदी व्याकरण कक्षा-3

अध्याय-1 : भाषा और व्याकरण

(क) 1. (ब), 2. (स), 3. (ब) 4. (ब)

(ख) 1. विचारों 2. देवनागरी 3. बोली 4. देवनागरी

(ग) 1. ✓ 2. ✓ 3. ✗ 4. ✗

(घ)

1. ब्रजभाषा	बोली
2. संस्कृत	भाषा
3. अवधी	बोली
4. उर्दू	भाषा
5. मैथिली	बोली

लिखितः

1. 'भाषा' वह साधन है, जिसके द्वारा हम अपने विचार बोलकर या लिखकर प्रकट करते हैं।
2. 'भाषा' संस्कृत की एक धातु है, जिससे भाषा की उत्पत्ति हुई। इसक अर्थ है- 'बोलना'।
3. मौखिक, लिखित
4. भाषा के क्षेत्रीय रूप को 'बोली' कहते हैं।
5. भाषा के ध्वनि-चिह्न जिस रूप में लिखे जाते हैं, उसे 'लिपि' कहते हैं।

विविधः

1. हिंदी हमारी राष्ट्रभाषा है।
2. यह मेरी मातृभाषा है।
3. हिंदी एक सरल भाषा है।
4. यह एक सुगम भाषा है, जो सभी को आसानी से समझ आ जाती है।
5. हिंदी भाषा हमारा गौरव है।

अध्याय-2 : वर्ण विचार

(क) 1. (स), 2. (ब), 3. (ब) 4. (अ) 5. (अ)

(ख) 1. दीर्घ 2. ह्रस्व 3. ल 4. स्पर्श 5. ह्रस्व

(ग) 1. ✓ 2. ✗ 3. ✓ 4. ✓ 5. ✓

6. ✓ 7. ✗

(घ) अनुस्वार- 1, 3, 4, 5, 8, 9, 10, 12, 15

अनुनासिक- 2, 6, 7, 11, 13, 14

लिखितः

(क) 1. वर्ण– अ, आ

2. वर्णमाला– न, ओ

3. स्वर– ए, ऐ

4. व्यंजन– क, ख

5. द्वित्व व्यंजन– न्न, म्म

6. अनुस्वार– रंग, संग

7. अनुनासिक– माँ, चाँद

(ख) 1. दीर्घ– आ, ई

2. ह्रस्व– अ, इ

3. प्लुट– ३, ऽ

विविधः

1. चम्मच, ढक्कन, पक्का, सच्चा
2. क्षत्रिय, पत्र, ज्ञान, श्रुतलेख
3. अनुस्वार– रंगीन, संगीन, अंग, अंक, कंघा, कलंक, जंग, हैं, गंद, नहीं
   अनुनासिक– जहाँ, यहाँ, वहाँ, माँ, गाँव, काँव-काँव, जहाँपनाह, हाँ, बाँटना, लाँघना

अध्याय-3 : मात्राएँ एवं अशुद्धि शोधन

(क) प्याज, झंडा, कीड़ा, बरतन, ट्रक, फ्रॉक, ड्रम/ढोल, पहिया, चक्की, मक्खी

(ख) 1. क्रम 2. प्रयोग 3. गृहकार्य 4. आशीर्वाद 5. राष्ट्रीय

अध्याय-4 : शब्द विचार

(क) 1. (स), 2. (अ), 3. (स) 4. (स) 5. (स)

(ख) 1. घड़ा 2. एकार्थी 3. अनेकार्थी 4. कर 5. जलद

(ग) 1. ✓ 2. ✗ 3. ✓ 4. ✓ 5. ✓

(घ) 1. वार्ता–बात 2. ज्योति–जोत 3. गर्दभ–गधा
4. घृत–घी 5. भ्राता–भाई 6. कर्ण–कान

लिखितः

(ङ) 1. तत्सम– सप्त, सर्प, मयूर, मीन
2. तद्भव– केला, हाथी, घड़ा, बात
3. देशज– बेटी, रोटी, बैंगन, कलाई
4. विदेशी– क़ातिल, ख़राब, मौका, आख़िर

विविधः

तत्सम– नृत्य, क्षीर, अश्व, मीन
तद्भव– नाच, मछली, खीर, घोड़ा
देशज– डिबिया, रोटी
विदेशी– स्टैंड, जलसा, बोर्ड, स्टेशन, जुलूस

अध्याय-5 : पर्यायवाची शब्द

(क) 1. (अ), 2. (अ), 3. (अ) 4. (अ)
5. (अ) 6. (अ) 7. (स)

(ख) 1. वारि 2. मारुत 3. द्विज 4. धरणी 5. रश्मि

लिखितः

(क) 1. चंद्रमा, राकेश, राशि 2. रवि, दिनकर, भास्कर
3. सिंह, केसरी, वनराज 4. मयूर, शिखि, कलापी

विविध

(ख) 1. पर्वतः पहाड़, गिरि 2. रातः रात्रि, निशा 3. कमलः नीरज, जलज
4. फूलः पुष्प, सुमन 5. पेड़ः वृक्ष, तरू

अध्याय-6 : विलोम शब्द

(क) 1. (ब), 2. (स), 3. (ब) 4. (ब) 5. (ब)

(ख) 1. द 2. स 3. अ 4. ब 5. व
6. ल 7. य 8. र

(ग) 1. समीप × दूर 2. देश × विदेश 3. चर × अचर
4. मधुर × कटु 5. आय × व्यय

अध्याय-7 : वाक्यांशों के लिए एक शब्द

(क) 1. (स), 2. (ब), 3. (स) 4. (ब)

(ख) 1. स 2. द 3. य 4. अ 5. ब

(ग) 1. ✓ 2. ✓ 3. ✓ 4. ✓

विविध:

(घ) 1. चुगलखोर 2. आस्तिक 3. निराकार 4. मृदुभाषी
5. दशक 6. मितभाषी

अध्याय-8 : संज्ञा

(क) 1. (ब), 2. (अ), 3. (स) 4. (ब)

(ख) 1. दिल्ली 2. कोयल 3. बच्चे 4. पशु 5. कोट

(ग) 1. ✓ 2. ✓ 3. ✗ 4. ✓ 5. ✓

(घ) 1. नगर 2. गाँव 3. बिल्ली, चूहे 4. गाय 5. बंदर

(ङ) 1. ताजमहल 2. राजीव 3. रामायण 4. सोनू 5. हरिद्वार

(च) 1. निर्बलता 2. सुंदरता 3. पढ़ाई 4. उदारता 5. खटास
6. मिठास 7. चालाकी 8. लिखावट 9. मधुरता

लिखित:

1. कुतुबमीनार, सीमा, रवि, रामायण, पटना
2. पशु, पक्षी, स्त्री, पुरुष, बच्चे
3. मनुष्यता, मधुरता, मिठास, सफ़ेदी, चालाकी

विविध:

जाति– वन, ईश्वर व्यक्ति– जनकपुरी, अयोध्या
भाव– बुराई, कड़वाहट, सुगंध, दुर्गंध, पवित्रता, दूरी

अध्याय-9 : लिंग

(क) 1. पुल्लिंग 2. पुल्लिंग 3. स्त्रीलिंग 4. स्त्रीलिंग 5. पुल्लिंग

(ख) 1. भिखारिन 2. मामी 3. बालिका 4. चाची
5. गायिका 6. गुड्डी 7. बंदरिया 8. सम्राज्ञी

(ग) 1. सेठ 2. दादा 3. राजा 4. श्रीमान
5. नेता 6. धोबी 7. माली 8. पंडित

(घ) 1. नेत्री जी ने पुरस्कार बाँटे 2. माता जी बाज़ार गए।
3. सेवक ने दादी जी के वस्त्र धोए।
4. गायिका ने गीत गाया। 5. बंदरिया पेड़ पर जा बैठी।

लिखित:

(क) 1. गिलहरी, मछली, कोयल, मक्खी
2. मच्छर, खरगोश, तोता, चीता

विविध:

1. मालिन 2. लेखिका 3. रूपवती 4. सेठानी 5. छात्रा

अध्याय-10 : वचन

(क) 1. एकवचन 2. बहुवचन 3. बहुवचन 4. एकवचन 5. बहुवचन
6. एकवचन

(ख) 1. चौराहे 2. अध्यापक गण 3. विद्यार्थीगण 4. शिक्षिकाएँ
5. नीतियाँ 6. कटोरे
7. लकड़ियाँ 8. छात्रवृंद 9. अमीर लोग

(ग) 1. गुब्बारा 2. फुहारा 3. मक्खी 4. कथा
5. प्रजा 6. जाति 7. पाठक 8. चाबी

लिखित:

1. गेंद, कुरसी, बालक, लड़की
2. गेंदें, बच्चे, औरतें, कमरे

विविध:

1. प्राण, आँसू, लोग, हस्ताक्षर

2. एकवचन: छात्र, जाति, चींटी

बहुवचन: कटोरे, पाठकगण, रातें, मक्खियाँ, तितलियाँ, पक्षीवृंद, शाखाएँ

अध्याय-11 : सर्वनाम

(क) 1. (अ), 2. (ब),

(ख) 1. मैं 2. मेरा, वह 3. तुम 4. कोई 5. यह, मेरा, वह

(ग) 1. क्या 2. कौन 3. वह 4. तुम 5. वह

लिखित:

(क) मैं, तुम, हम, हमारा, वह

(ख) 1. अध्यापक ने <u>उन्हें</u> चुप कराया। 2. <u>वे सब</u> भौंक रहे हैं।

3. <u>वे</u> प्रतिदिन सैर करने जाते हैं। 4. <u>वह</u> पाँच बजे घर आएगा।

5. <u>वे दोनों</u> गंगा जी में नहाएँगे।

अध्याय-12 विशेषण

(क) 1. (अ), 2. (अ), 3. (अ) 4. (अ) 5. (अ)

(ख) 1. मोटा 2. सफ़ेद 3. हरे-भरे 4. लाल कपड़ा 5. हरा पत्ता

6. ताज़ा 7. 2 किलो 8. 1 लीटर 9. सूखे 10. सुरीली

11. सुंदर 12. सफ़ेद 13. हरी 14. सात 15. गरम

(ग) 1. जिराफ़ 2. बाल 3. लड़की 4. पहाड़ 5. गाँव

6. गुफ़ा 7. इमारत 8. कुआँ 9. बच्चे

(घ) 1. एक लीटर 2. प्यासा 3. कुटिल 4. थोड़ा 5. मोटा, आलसी

लिखित:

1. डरावनी– मैंने कल एक <u>डरावनी</u> फिल्म देखी।
2. सुंदर– कितनी <u>सुंदर</u> साड़ी है।
3. घना– यह वृक्ष बहुत <u>घना</u> है।
4. कड़वा– कितना <u>कड़वा</u> जूस है।
5. चालाक– लोमड़ी एक <u>चालाक</u> जानवर है।

विविध:

श्वेता: परिश्रमी, समझदार, सुंदर, मददगार, पतली, लंबी, गोरी

अध्याय-13 क्रिया

(क) 1. (स), 2. (स), 3. (स)

(ख) 1. ✓ 2. ✗ 3. ✓

(ग) 1. गिरा 2. डरता है 3. बैठा है 4. उड़ रही थी 5. आएँगे

लिखित:

पढ़ रहा है, हँस रहे थे, नाच रही है, लिख रहे हैं, खेल रहा है

विविध:

सकर्मक 1. राम पुस्तक पढ़ रहा है। 2. रीमा पत्र लिख रही थी।

अकर्मक 1. राम पढ़ रहा है। 2. रीमा लिख रही थी।

अध्याय-14 काल

(क) 1. (ब), 2. (ब), 3. (अ) 4. (स)

(ख) 1. रहे थे 2. है 3. दिया 4. बनाएगा 5. रहा था

(ग) 1. ✓ 2. ✗ 3. ✗ 4. ✓ 5. ✓

(घ) 1. भूतकाल 2. वर्तमानकाल 3. भविष्यत्काल 4. भूतकाल 5. भूतकाल

लिखित:

1. क. वह पढ़ रहा था। ख. चोर वहाँ चोरी करने गए।
   ग. सीमा ने चाय बनाई। घ. माँ बाज़ार गई।
2. क. मैं पत्र लिख रही हूँ। ख. बगीचे में बच्चे खेल रहे हैं।
3. क. कल मामाजी आएँगे। ख. मैं कविता सुनाऊँगा।

विविध:

पढ़ रही हैं, आ रही हैं, लिख रही हैं, जा रही है, नाचती है, रो रहा है

अध्याय-15 गिनती

(क) i. पाँच ii. तेइस iii. चालीस iv. अड़तीस v. सैंतीस

(ख) 3] 13] 33] 43] 15] 25

(ग) चार, चौबीस, चौदह, चौंतीस

अध्याय-16 मुहावरे

(क) 1. (स), 2. (स), 3. (स) 4. (स)

(ख) 1. अगर-मगर करता है 2. पाँव पर कुल्हाड़ी मार ली
3. आँखें दिखा रहे हो 4. अपने मुँह मियाँ मिट्ठू बनता है
5. आस्तीन का साँप निकला

(ग) 1. द 2. य 3. र 4. अ 5. ब 6. स

(ग) 1. ✓ 2. ✗ 3. ✓ 4. ✗ 5. ✗

लिखित:

1. मेरी अध्यापिका सभी को एक आँख से देखती हैं।
2. तुम हमेशा मेरे काम में टाँग क्यों अड़ाते हो।
3. रवि कोई काम समझदारी से नहीं करता, वह तो अक्ल का दुश्मन है।
4. मूसीबत में देखकर सभी अपने हाथ खींच लेते है।

विविध:

1. पासा पलटना– स्थिति उलट जाना
2. धरना देना– अड़कर बैठ जाना
3. तिनके का सहारा– थोड़ी सी मदद
4. छोटा मुँह बड़ी बात– हैसियत से अधिक बात करना
5. चहल-पहल होना– रौनक होना

ज्ञान सरोवर हिंदी व्याकरण

YELLOW BIRD PUBLICATIONS PVT. LTD.
EDUCATIONAL PUBLISHER

Regd. Off. : F-214, Laxmi Nagar, Delhi-110 092
Tel. : 91-11-4758 6784, 91-97116 18765
E-mail : yellowbirdpublications@gmail.com • info@yellowbirdpublications.com
Website : www.yellowbirdpublications.com